कुमा. । तेन हि

यः सुप्तवाग्मदङ्गे शिखण्डकण्डूयनोपलब्धसुखः। तं मे जातकलापं

5 प्रेषय मणिकण्ठकं शिविनम्॥ १३॥ ताप.। विहस्य। एववं करेमि। सक्थि भोदु तुम्हाणं।

[इति निष्कान्ता |

राजा। कल्याणि

थहं हि पुत्रिणामध्यः सत्पुत्रेणामुना तव। पौलोमीसंभवेनेव जयन्तेन पुरंदरः॥ १४॥

७वै. | स्मृखा रोदिति |

10

विदू.। वैंक णु ख तत्तहोदी एक वदे अस्सुमुही संवुत्ता।

१ एवं करोमि। स्वास्ति भवतु युष्मभ्यम्। — २ किं नु खलु तत्रभवती एकपदेश्रुमुखी संवृत्ता।

- 1. N.N2.om. 底.
- 2. G.K.ममाङ्गे. B.मद क्रे.
- 3. U.चिराय for शिखण्ड °.
- 4. N.N2. तन्में for तं मे.
- 5. G.K.प्रापय. U. शितिकण्ठकं.
- 6. K.G.U.एवं. A.N.N2.दीहाऊ होहि for सिथ &c. After करेमि U.
 has: उ०|भभवदि पादवन्दणं करेमि|
 रा०|भगवति प्रणमामि | ताप०|
 सीथि सञ्जाणं | इति नि:क्रान्ता &c.
 B.सिस्मतम् | होद एउवं करीभदि |
 दीहाऊ होहित्ति निष्कान्ता. K.सास्त्रम्
 before सिथ्य which it reads
 सीथ्य. P. om. विहस्य, and reads
 हेद भाणहरसं | दीहाऊ होहि हाते

निष्क्रान्ता.

- 8. N.N2.K. om. कल्याणि. U. कल्याणिनि. P. उर्वश्चीं प्रति सुन्दर्शि for कल्याणि.
- 9. G. reads संस्तृत्रेण तवामुना. U. भदाह for शहं हि. A.ईडच: for अस्य:. K.अधना for अमुना.
- 11. A.समृत्या रोदिति.
- 12. A.संविगम् | भी कि णु &c. N. N2.P.सावेगम् before कि णु &c. G. भोदी. B.विजोक्य सावेगम् before कि &c. N.N2. एकपदं. U. has the speech thus: भो कि णु ख्खु संपदं अत्थभोदी अस्सुमुही संवृत्ता. P.B. एकपदं. B.P.अस्सु-